श्याम धणी आ जाना मोरछड़ी लहराना भजन लिरिक्स

श्याम धणी आ जाना,
मोरछड़ी लहराना,
भक्तों पे ये कैसी,
विपदा आन पड़ी,
हम सबका काल बनी,
संकट की घड़ी,
जब कोई अपनों की,
अर्थी उठाता है,
दिल पे पत्थर रख के,
बीती सुनाता है,
श्याम धनि आ जाना,
मोरछड़ी लहराना।bd।

ये कैसे दुर्दिन हैं आये,
मंदिर सब वीरान पड़े,
सूनी गलियां और चौबारें,
सिर्फ यहाँ शमशान भरे,
हम सबपे संकट के,
बादल हैं छाये,
ना जाने कब किसकी,
बारी आ जाए,
अब किसी सुहागन,
की मांग ना उजड़े,
अब किसी बहना से,
कोई भाई ना बिछड़े,
श्याम धनि आ जाना,
मोरछड़ी लहराना।bd।

छोटे छोटे बच्चे भी,
शामिल हैं ग़म के मारो में,
बचपन जैसे कैद हो गया,
हो घर की दीवारों में,
ना जाने कितनो का,
घर ही उजड़ गया,
हम सबके जीवन का,
पहिया ठहर गया,
निर्धनों का आकर,
कोई हाल तो पूछे,
सिर्फ आंसू पीकर,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

सो जाते हैं भूखे,
श्याम धनि आ जाना,
मोरछड़ी लहराना।bd।

श्याम बिहारी लखदातारी,
आकर के दु:ख दूर करो,
प्रलयंकारी इस महामारी,
का घमंड अब चूर करो,
ये कैसा मंज़र है,
देख के दिल रोये,
चिंताए घेरे खड़ी,
कैसे कोई सोये,
आज श्याम निश्छल,
की लाज रख लेना,
गलतियां हमारी,
सब माफ़ कर देना,
श्याम धनि आ जाना,
मोरछड़ी लहराना।bd।

श्याम धणी आ जाना,
मोरछड़ी लहराना,
भक्तों पे ये कैसी,
विपदा आन पड़ी,
हम सबका काल बनी,
संकट की घड़ी,
जब कोई अपनों की,
अर्थी उठाता है,
दिल पे पत्थर रख के,
बीती सुनाता है,
श्याम धनि आ जाना,
मोरछड़ी लहराना।bd।

Singer – Ashu Verma

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com